No of Questions : 30

No of Pages : 5

नामांक

माध्यमिक परीक्षा, 2019–20

हिन्दी

मॉडल पेपर 1

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए के लिये सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड–अ

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सभ्य आचरण और व्यवहार ही शिष्टाचार कहलाता है। जीवन में शिष्टाचार का बहुत महत्त्व है। बातचीत करते समय सभी को एक–दूसरे से शिष्टाचार से बात करनी चाहिए। छोटों को बड़ों से और बड़ों को छोटों से बात करते समय शिष्टाचार का ध्यान रखना चाहिए। शिष्टाचार का पालन करने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती। शिष्ट व्यक्तियों से जब कोई गलती हो जाती है तो वे खेद प्रकट करते हैं और सहज ही अपनी गलती स्वीकार करते हैं। विद्यार्थी–जीवन में तो शिष्टाचार का और भी अधिक महत्त्व होता है क्योंकि यही शिक्षा जीवन का आधार बनती है। स्कूल की प्रार्थना सभा में पंक्ति में आना–जाना, कक्षा में शोर न करना, अध्यापकों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनना, सच बोलना, सहपाठियों से मिलजुल कर रहना, स्कूल को साफ–सुथरा रखना, स्कूल की संपत्ति को नुकसान न पहुँचाना व छुट्टी के समय धक्कामुक्की न करना शिष्ट बच्चों की निशानी है। ऐसे बच्चों को सभी पसंद करते हैं।

1. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. शिष्ट व्यक्तियों से जब कोई गलती हो जाती है तो वे क्या करते हैं? 1

3. कैसे बच्चों को सभी पसंद करते हैं? 1

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

बाधाएँ आती हैं आएँ
घिरे प्रलय की घोर घटाएँ
पाँवों के नीचे अँगारे

www.rbse.online

सिर पर बरसे यदि ज्वालाएँ
निज हाथों से हँसते–हँसते
आग लगाकर जलना होगा
कदम मिलाकर चलना होगा
उजियारे में अंधकार में।
कल कछार में, बीच धार में
घोर घृणा में, पूत प्यार में
क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में
जीवन के शत् शत् आकर्षक
अरमानों को ढलना होगा
कदम मिलाकर चलना होगा

4. कदम मिलाकर चलने हेतु क्या आवश्यक है? 1

5. अरमानों को किसमें ढलना पड़ता है? 1

6. कदम मिलाकर चलने से क्या तात्पर्य है? 2

खण्ड–ब

7. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 8

1. राष्ट्रीय एकता
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) राष्ट्रीय एकता का महत्त्व
   - (ग) एकता के मार्ग में बाधाएँ
   - (घ) राष्ट्रीय एकता की रक्षा
   - (ड़) राष्ट्रीय एकता के उपाय
2. विजयदशमी या दशहरा
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) ऐतिहासिक आधार
   - (ग) उत्सव मनाने की विधि
   - (घ) कुल्लू का दशहरा
   - (ड़) शिक्षा
   - (च) उपसंहार
3. समाचार–पत्रों का महत्त्व
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) समाचार–पत्रों का वर्तमान स्वरूप
   - (ग) समाचार पत्रों के दायित्व
   - (घ) उपसंहार
4. स्वच्छ भारत अभियान
   - (क) प्रस्तावना

(ख) स्वच्छता अभियान का उद्देश्य
(ग) स्वच्छता अभियान का व्यापक क्षेत्र
(घ) स्वच्छता अभियान से लाभ
(ड़) उपसंहार

8. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अजमेर का छात्र अमित मानते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को 15 दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना–पत्र लिखिए। 4

अथवा

8. स्वयं को जयपुर निवासी अविनाश मानते हुए जयपुर के नगर निगम के कार्यकारी अधिकारी को सड़कों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को नियंत्रित करने हेतु पत्र लिखिए। 4

खण्ड–स

9. क्रिया एवं विशेषण को परिभाषित कीजिए। 2

10. भूतकाल की परिभाषा देते हुए भूतकाल के भेदों को सोदाहरण लिखिए। 3

11. निम्न सामासिक पदों का विग्रह कीजिए– 2
यथाशक्ति, रातोंरात, त्रिलोक, मंत्रिपरिषद्।

12. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। 1×2=2
1. लोकसभा की चुनाव इस वर्ष होगा।
2. वह छत पर से गिर पड़ा।

13. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए। 1×2=2
1. आगा–पीछा करना।
2. कूच करना।

14. **दाल–भात में मूसलचन्द** लोकोक्ति का आशय लिखिए। 1

खण्ड–द

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

लखन कहा हँसि हमरे जाना। सुनहू देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितइ परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधउँ नहिं तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्व बिदित छत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहु भुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस, करसि महीसकिसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन, परसु मोर अति घोर।।

www.rbse.online

अथवा

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहिं सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।।
बहु धुनहीं तोरीं लरिकाईं। कबहूँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
एहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतु।।
रे नृप बालक काल बस, बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम तिपुरारि धनु, बिदित सकल संसार।।

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6

आज रात्रि को पर्यंक पर जाते ही अचानक आँख लग गई। सोते में सोचता क्या हूँ कि इस चलायमान शरीर का कुछ ठिकाना नहीं। इस संसार में नाम स्थिर रखने की कोई युक्ति निकल आवे तो अच्छा है, क्योंकि यहाँ की रीति देख मुझे पूरा विश्वास होता है कि इस चपल जीवन का क्षण–भर का भरोसा नहीं। ऐसा कहा भी है–

स्वाँस स्वाँस पर हरि भजो वृथा स्वाँस मत खोय।
न जाने या स्वाँस को आवन होय न होय।।

देखो समय सागर में एक दिन सब संसार अवश्य मग्न हो जायेगा। कालवश शशि सूर्य भी नष्ट हो जायेंगे। आकाश में तारे भी कुछ काल पीछे दृष्टि न आवेंगे। केवल कीर्ति–कमल संसार–सरोवर में रहे या न रहे, और सब तो एक तप्त तवे की बूँद हुए बैठे हैं।

अथवा

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6

संसार में पाठशालाएँ अनेक हुई होंगी, परन्तु हरि कृपा से जो सकलपूर्ण कामधेनु यह पाठशाला है वैसी, अचरज नहीं कि आपने इस जन्म में न देखी सुनी हो। होनहार बलवान है, नहीं तो कलिकाल में ऐसी पाठशाला का बनाना कठिन था। देखिए, यह हम लोगों के भाग्य का उदय है कि ये महामुनि मुग्धमणि शास्त्री बिना प्रयास हाथ लग गये जिनको सतयुग के आदि में इन्द्र अपनी पाठशाला के निमित्त समुद्र और वन जंगलों में खोजता फिरा, अन्त को हार मान वृहस्पति को रखना पड़ा। हम फिर भी कहते हैं कि हमारे भाग्य की महिमा थी कि ये ही पण्डितराज मृगयाशील श्वान के मुख में शशी के धोखे बद्रिकाश्रम की एक कन्दरा में से पड़ गये। इनकी बुद्धि और विद्या की प्रशंसा करने में सरस्वती भी लजाती है। इसमें संदेह नहीं कि इनके थोड़े ही परिश्रम से पण्डित मूर्ख और अबोध पण्डित हो जायेंगे।

17. कृष्ण ने भोली राधा को बातों में कैसे उलझा लिया? 6

अथवा

17. **संदेसनि मधुबन कूप भरे** पद में गोपियों की विवशता किस प्रकार प्रकट होती है? 6

18. भारतेन्दुजी की शैली पर प्रकाश डालिये। 6

अथवा

18. **एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न** निबन्ध में मुख्यतः किस पर व्यंग्य किया गया है? 6

19. कृष्ण ने एक झलक में ही गोपियों का मन कैसे वश में कर लिया? 2

20. नायिका के भाग क्यों सो गये? 2

21. कविता **अभी न होगा मेरा अन्त** के अनुसार वसंत आगमन पर प्रकृति में कौन-से परिवर्तन परिलक्षित होते हैं?2

22. लेखक ने देवालय बनाने का विचार क्यों त्याग दिया? 2

23. सागरमल गोपा को जेल में दी गई यातनाओं का वर्णन कीजिए। 2

24. सन्त दादूदयाल के स्मारकों में सर्वप्रथम स्थान किसका माना जाता है? 2

25. श्याम ने किसको सिखाकर वश में कर लिया? 1

26. राधा-श्रीकृष्ण पर किसकी चोरी का आरोप लगा रही थी? 1

27. ज्योतिष विद्या में कुशल पण्डित का क्या नाम था? 1

28. राजू किसके पत्र को पढ़ रहा था? 1

29. महाकवि सूरदास का परिचय संक्षेप में लिखिए। 4

30. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए। 4

****

सत्र 2020-21 से नये पाठ्यक्रमानुसार सभी कक्षाओं के सभी विषयों की टेक्स्ट बुक एवं सभी प्रकार की सहायक अध्ययन सामग्री विद्यार्थियों को मोबाइल पर व्हाट्सएप द्वारा एवं वेबसाइट www.rbse.online पर उपलब्ध करवायी जाएगी। इसके लिये विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके लिये विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार का कोई OTP Verification या Email द्वारा Verification नहीं देना होगा। हमारा व्हाट्सएप नम्बर जानने या अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये वेबसाइट www.rbse.online पर विजिट करें।